



प्रीलमिस फैक्ट्स : 21 फरवरी, 2018

स्वच्छाग्रह : बापू को कार्याजलि

वाराणसी के रचनात्मक एवं सांस्कृतिक उद्योगों की सराहना करने और उसके सांस्कृतिक रूपों का उपयोग करने के साथ स्वच्छता की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य से वाराणसी के मन मंदिर घाट और अस्सी घाट पर 21 एवं 22 फरवरी, 2018 को एक संस्कृति महोत्सव 'स्वच्छाग्रह : बापू को कार्याजलि' का आयोजन किया जा रहा है।

प्रमुख बदि

- इस महोत्सव के अंतर्गत नदी के तट के साथ मूरत एवं अमूरत वरिसत को समेकित करने का प्रयास किया जाएगा।
- इसमें नदी एवं प्राचीन नगर के संरक्षण एवं सुरक्षा के लिये सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के उपयोग पर शक्तिवादों, कलाकारों, कारीगरों, लेखकों, कवियों, पर्यावरणवादों एवं सांस्कृतिक संगठनों की भागीदारी होगी।
- स्वच्छता मुहिम का संचालन भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के विचिना केंद्रों से संबद्ध स्कूली बच्चों द्वारा किया जाएगा, जो प्रदर्शनों, गीतों, कठपुतली नृत्यों, नुककड़ नाटकों एवं लोक नृत्यों के माध्यम से अभिव्यक्त होगा।
- दो दविसीय समारोह 'स्वच्छाग्रह' की वषियवस्तु पर आधारित प्रदर्शनों पर ध्यान केंद्रित करेगा, जसि 'स्वच्छाग्रह : बापू को कार्याजलि' शीर्षक के तहत प्रस्तुत किया जाएगा।
- इस महोत्सव में शास्त्रीय, लोक संगीत, नृत्य एवं दृश्य कलाओं के कला रूपों का एक मशिरण प्रस्तुत किया जाएगा और यह स्थापति एवं उभरती कला मर्मजजता में सर्वश्रेष्ठ का अनुभव करने का अवसर प्रस्तुत करेगा।
- राष्ट्रीय पुरातत्त्व की नगिरानी में वाराणसी पर एक प्रदर्शनी का प्रदर्शन मन मंदिर घाट पर आभासी संग्रहालय के सृजन के द्वारा किया जाएगा।
- राष्ट्रीय आधुनिक कला दीर्घा बनारस हद्वि वशिवदियालय के ललति कला वदियालय के साथ साझेदारी में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा कई वदियालयों में स्थापति सांस्कृतिक विचिना केन्द्र के छात्रों के लिये चित्रकारी एवं टेराकोटा प्रतमि कार्यशालाओं का आयोजन करेगा।
- जलिया प्रशासन द्वारा बसों और नौकाओं की सुवधि उपलब्ध कराई जाएगी तथा प्रमुख दीवारों पर 'स्वच्छाग्रह : बापू को कार्याजलि' की वषिय-वस्तु पर बहुरंगी भित्ति-चित्रों एवं टैग के साथ भित्ति चित्रकला बनाई जाएगी।

उत्तर प्रदेश नविशक शखिर सम्मेलन

इस सम्मेलन का आयोजन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा है, इसका उद्देश्य राज्य में उपलब्ध नविश अवसरों और संभावनाओं से नविशकों को अवगत कराना है।

- यह सम्मेलन एक वैश्विक प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएगा जहाँ विभिन्न मंत्रीगण, कॉरपोरेट जगत की हस्तियों, वरिष्ठ नीति निर्माता, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के प्रमुख और वशिव भर के शक्तिवाद राज्य में आर्थिक विकास को नई गति प्रदान करने और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एकजुट होंगे।
- इस आयोजन के लिये सात राष्ट्रों - फनिलैंड, नीदरलैंड, जापान, चेक गणराज्य, थाईलैंड, स्लोवाकिया और मॉरीशस को 'कंट्री पार्टनर' के रूप में चनिहति किया गया है।
- इस सम्मेलन का आयोजन प्रधानमंत्री के उस आह्वान को ध्यान में रखकर किया जा रहा है जसिमें उन्होंने राज्यों से अपनी संभावनाओं को दर्शाने और नविशकों को आकर्षित करते हुए अपने चहुँमुखी विकास के लिये सहकारी और प्रतसिपर्द्धी संघवाद की भावना के साथ काम करने को कहा है।

अग्न 2 मसिाइल

भारतीय सेना ने परमाणु आयुध ले जाने में सक्षम मध्यम दूरी की मसिाइल अग्न-2 का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। दो हजार किलोमीटर से अधिक दूरी तक की मारक क्षमता वाली इस मसिाइल का परीक्षण ओडिशा के अबदुल कलाम द्वीप (वहीलर द्वीप) से सेना के प्रायोगिक परीक्षण के तहत किया गया।

प्रमुख बदि

- सतह-से-सतह पर मार करने में सक्षम।
- द्वचिरणीय मसिाइल (ठोस प्रणोदकों से संचालित होने वाली बैलस्टिक मसिाइल)।
- लंबाई 21 मीटर, चौड़ाई 1 मीटर एवं वजन 17 टन।

- 1,000 कलोग्राम आयुध ले जाने में सक्षम ।

अग्नि भिसाइल की पहुँच कहाँ तक है?

- अग्नि 1 - 700 कमी. (19 अप्रैल, 2012)
- अग्नि 2 - 2,000 कमी. (15 सितंबर, 2013)
- अग्नि 3 - 3,000 कमी. (31 जनवरी, 2015)
- अग्नि 4 - 4,000 कमी. (9 नवंबर, 2015)
- अग्नि 5 - 5,000 कमी. प्लस (18 जनवरी, 2018)

बैलिस्टिक मिसाइल

- तकनीकी दृष्टि से बैलिस्टिक मिसाइल (ballistic missile) उस प्रक्षेपास्त्र अथवा मिसाइल को कहा जाता है जिसका प्रक्षेपण पथ सब-आर्बिटल (sub-orbital) होता है ।
- इसका उपयोग किसी हथियार (प्रायः नाभिकीय अस्त्र) को पूर्वनिर्धारित लक्ष्य पर दागने हेतु किया जाता है ।
- इस मिसाइल को केवल इसके प्रक्षेपण के प्रारंभिक चरण में ही गाइड किया जाता है, उसके बाद इसका पथ आर्बिटल मैकेनिक्स के सिद्धान्तों एवं बैलिस्टिक्स के सिद्धान्तों से निर्धारित होता है ।

हाइपरलूप प्रणाली

हाल ही में महाराष्ट्र सरकार एवं रचिर्ड ब्रान्सन के वर्जनि हाइपरलूप वन के मध्य मुंबई से पुणे के बीच हाइपरलूप निर्माण के संबंध में एक समझौता हुआ है । इस हाइपरलूप के निर्माण के पश्चात् इन दोनों शहरों के मध्य की दूरी 3 घंटे से घटकर 25 मिनट हो जाएगी ।

- यह एक नवीन परिवहन प्रणाली है, जिसमें तीव्र आवागमन हेतु एक नरिवात ट्यूब (vacuum tube) का प्रयोग किया जाता है । इसमें एक पोड के समान वाहन (pod like vehicle) को वमिन की गतिपर संचालित किया जाता है ।
- इसके अंतर्गत वाहन की इस द्रुत गतिपर नियंत्रण बनाए रखने हेतु रैखिक प्रेरण मोटरों (Linear Induction Motors) को नरिवात ट्यूब के साथ संबद्ध किया जाता है ।
- भारत की 65% माल ढुलाई देश के तनावपूर्ण और भीड़-भाड़ वाले सड़क नेटवर्क पर आश्रित है तथा हाई-स्पीड रेल की तुलना में लगभग तीन गुना गतिके साथ यह हाइपरलूप टेक्नोलॉजी कई समस्याओं का निदान कर सकती है ।
- इस प्रकार की अत्याधुनिक एवं मंहगी परिवहन प्रणाली को विकसित करने हेतु हाइपरलूप मार्ग का उच्च घनत्व के ट्रैफिक (high-density traffic) से युक्त होना एक अनविर्य आवश्यकता है ।